Title: Regarding hunger strike by teachers in Chhattisgarh.

श्री सोहन पोटाई (कांकेर) : अध्यक्ष महोदय, शिक्षाकर्मी 25 जुलाई, 2003 से आन्दोलन की राह पर हैं और 7 अगस्त, 2003 से अनशन पर बैठे हैं। जो हजारों शिक्षाकर्मी अनशन पर बैठे हैं उनमें से अनेकों की हालत चिन्ता जनक है। कई शिक्षाकर्मी कौमा की हालत में हैं, लेकिन छत्तीसगढ़ की राज्य सरकार और वहां के मुख्य मंत्री श्री अजीत जोगी उनके साथ किसी भी प्रकार से बातचीत करने के लिए तैयार नहीं हैं।

अध्यक्ष महोदय, मैं यह निवेदन भी करना चाहता हूं कि मेरे संसदीय क्षेत्र में एकल शिक्षक भी हैं। बिलासपुर और सरगुजा सम्भाग, जो सम्पूर्ण ट्राइबल क्षेत्र है, बीहड़ और जंगलों का क्षेत्र है, जहां विद्यालयों में कोई भी शिक्षक नियमित रूप से नहीं जाता है। वहां शिक्षाकर्मियों की नियुक्ति हो गई है, लेकिन वहां वे नहीं जाते हैं क्योंकि उन्हें पर्याप्त सुविधाएं प्रदान नहीं की गई हैं। शिक्षाकर्मी 25 जुलाई, 2003 से लगातार आज तक आन्दोलन कर रहे हैं और 7 अगस्त, 2003 से अनशन कर रहे हैं जिससे मेरा सम्पूर्ण क्षेत्र पूर्णरूप से प्रभावित हो रहा है। (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : अब, सिर्फ डा. रघुवंश प्रसाद सिंह का भाण रिकॉर्ड पर जाएगा।

...(व्यवधान)

श्री सोहन पोटाई : अध्यक्ष महोदय, ...(व्यवधान)... (कार्यवाही वृत्तान्त में सम्मिलित नहीं किया गया।)